

Mobile court

SUMMARY TRIAL UNDER SECTION 263 THE CRIMINAL PROCEDURE CODE 1998
IN THE COURT OF.....J.M.F.C. Gohad, DIST- BHIND (M.P)

Case No. 188/12

Name and address of the Complainant.....
को गृह
मजिस्ट्रेट प्रथम क्लास
गोहाद

Name, parentage, caste and address of accused

इन्जीन पुत्र हरनारायण रावत वसु 45 साल नि. अगवासा P5 गोहाद

The offence, complainant of, and date of, its alleged commission

आपने दिनांक 23.09.12 को समय लगभग 1.00 बजे, स्थान
गोलावर हिराहा गोहाद अंतर्गत थाना गोहाद में वाहन को
को बिना लाइसेंस, परमिट की शर्तों का उल्लंघन के चलाया और
इस प्रकार आपने ऐसा कृत्य किया है जो कि मोटर व्हीकल एक्ट की धारा
66/192 A, 3/101 M.V Act के तहत दण्डनीय अपराध है और इस
न्यायालय के संज्ञान में आता है।

क्या आपको उक्त अपराध स्वीकार है या प्रतिष्ठा चाहते हो।

Judicial Magistrate First Class

The plea of the accused and his examination (If any) Gohad Dist. Bhind (M.P.)

अपराध स्वेच्छया स्वीकार है।

इन्जीन

Judicial Magistrate First Class
Gohad Dist. Bhind (M.P.)

The offence proved. If any and in case under clause(d) clause(f) clause(g) of sub section 260 the
value of the property in respect of which the offence has been committed.

// निर्णय //

(आज दिनांक 23.09.17 को घोषित)

01. आरोपी को स्वेच्छिक संस्वीकृति के आधार पर उसे मोटर व्हीकल एक्ट की धारा 66/192A, 3/181 M.V Act के तहत दण्डनीय अपराध का दोषी पाते हुए दोषसिद्ध ठहराया जाता है।

02. दण्ड के प्रश्न पर विचार किया गया। आरोपी के विरुद्ध अभिलेख पर कोई पूर्व दोषसिद्धि अभिलिखित नहीं है। अतः आरोपी की संस्वीकृति एवं अपराध की प्रकृति को दृष्टिगत रखते हुये आरोपी इन्द्रीत पुत्र हरनाथ राठौर उम्र 45 साल नि. अजवास PS गौहड को मोटर व्हीकल एक्ट की धारा 66/192A, 3/181 M.V Act के तहत दण्डनीय अपराध के आरोप में सिद्धदोष पाते हुए कमषः राशि रुपये कुल डेढ़ सार पांच सौ रू० (2500/-) के अर्थदण्ड से दण्डित किया जाता है।

03. अर्थदण्ड सदाय में व्यतिक्रम की दशा में अभियुक्त को 10 दिवस की अवधि के साधारण कारावास से भुगताया जावे।

04. जप्तबुदा सम्पत्ति वाहन को उसके पजीकृत स्वामी को लौटाया जाये।

मेरे निर्देशन पर टंकित

Judicial Magistrate First Class
Gohad District (M.P.)